



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1-खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 223]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 25, 2008/आषाढ़ 4, 1930

No. 223]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 25, 2008/ASADHA 4, 1930

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

( डाक विभाग )

( डाक जीवन बीमा निदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जून, 2008

MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND  
INFORMATION TECHNOLOGY

(Department of Posts)

(DIRECTORATE OF POSTAL LIFE INSURANCE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th June, 2008

सं. 25-05/2007-एलआई (पार्ट)।—डाक जीवन बीमा सर्किल कार्यालय मैनुअल (31-7-1985 तक परिशोधित) के खण्ड 68 (अध्याय-X) के उपबंधों में अंशिक आसोधन करते हुए भारत के राष्ट्रपति निर्देश देते हैं कि बीमाधार की अभिरक्षा से पालिसी दस्तावेज के गुम होने या नष्ट होने की दशा में डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा के डुप्लीकेट पालिसी दस्तावेज जारी करने से संबंधित मौजूदा नियम निम्नलिखित के अनुसार प्रस्तुत किए जाएंगे :-

- बीमाधार या समनुदेशिनी की अभिरक्षा से पालिसी दस्तावेज के गुम होने की नोटिस उस राज्य के सबसे अधिक प्रसार-संख्या वाले एक ऐसे दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित की जानी अपेक्षित है जिसमें गुम होने की घटना घटित हुई हो। यह केवल उन्हीं मामलों में लागू होगा जिनमें बीमित घनराशि 5,00,000 रु. (पाँच लाख रुपये) से अधिक हो।
- डुप्लीकेट पालिसी बाँध के लिए आवेदन करने का शुल्क बढ़ाकर 50 रु. कर दिया गया है।

2. डाक जीवन बीमा/ग्रामीण डाक जीवन बीमा के डुप्लीकेट पालिसी जारी करने से संबंधित मौजूदा नियमों में कोई अन्य परिवर्तन नहीं होगा।

3. ये आदेश 1-7-2008 से लागू होंगे।

सुनीता त्रिवेदी, मुख्य महाप्रबंधक

No. 25-05/2007-LI (Part).—In partial modification of provisions under Clause 68 (Chapter X) of the Manual for Circle Offices on Postal Life Insurance (corrected up to 31-7-1985), the President of India directs that existing rules relating to issue of duplicate Policy Document of Postal Life Insurance and Rural Postal Life Insurance in the event of loss or destruction of Policy Document from the custody of insurant will be submitted as under :-

- The Notice for the loss of Policy Document from the custody of the insurant or the assignee is required to be published in one daily newspaper having the widest circulation in the State in which the loss has taken place, only in those cases where the Sum Assured exceeds Rs. 5,00,000 (Rupees five lakhs).
- The fee for applying duplicate Policy Bond stands enhanced to Rs. 50.

2. There will be no other change in the existing rules relating to issue of duplicate policy of PLI/RPLI.

3. These order shall be applicable with effect from 1-7-2008.

SUNEETA TRIVEDI, Chief General Manager